जंगली भेड़िए

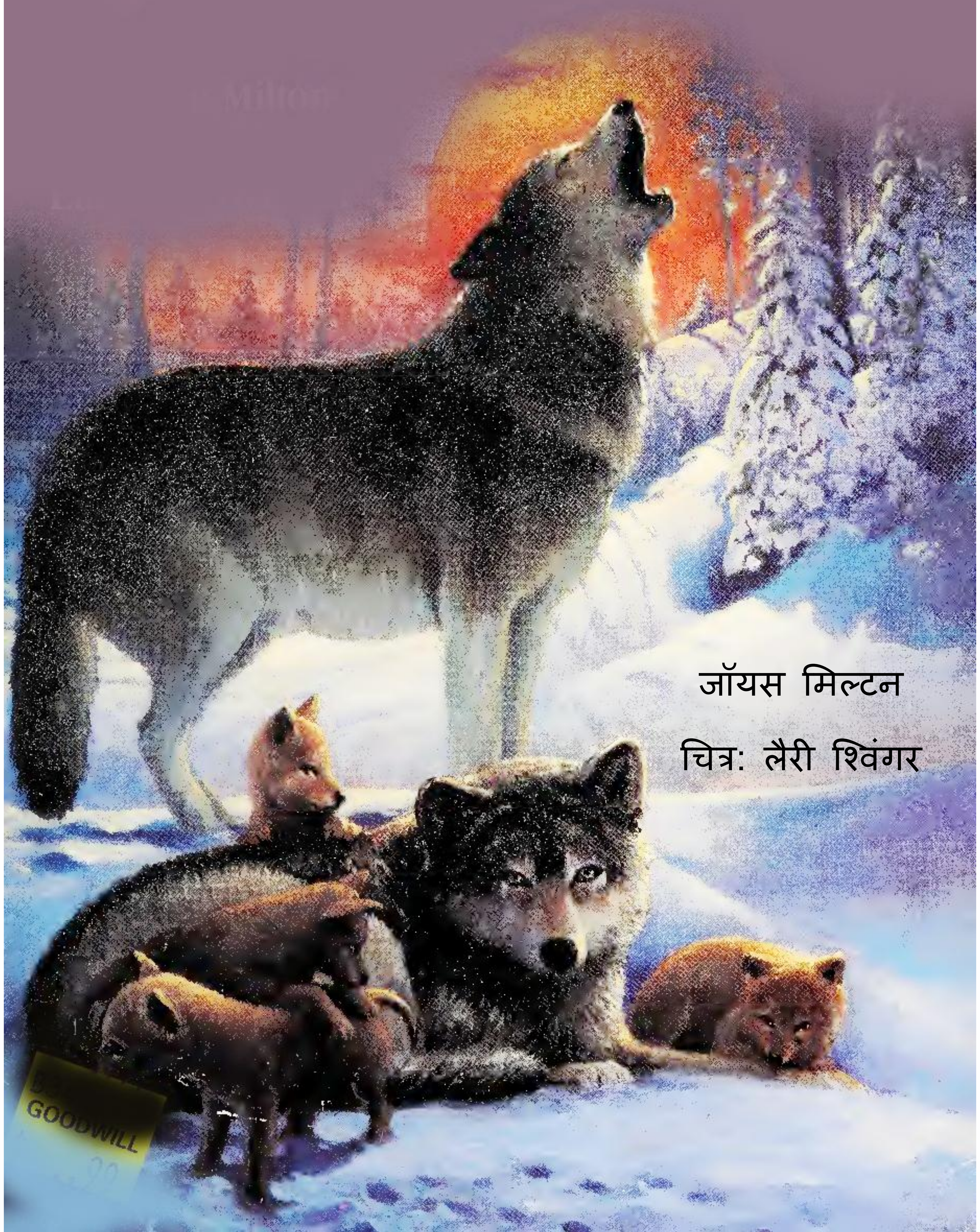

जॉयस मिल्टन

चित्र: लैरी श्विंगर

जंगली भेड़िए

जॉयस मिल्टन

चित्र: लैरी श्विंगर

एक गर्मी की रात

सुदूर उत्तर में

एक भेड़िया दहाड़ रहा है.

"आउ-आउ!

आउ-आउ!"

फिर एक-एक करके,

मीलों दूर तक के सभी भेड़िए

अपने सिर पीछे झुकाते हैं

और साथ-साथ चीखते हैं -

"आउ-आउ-आउ-आउ!"

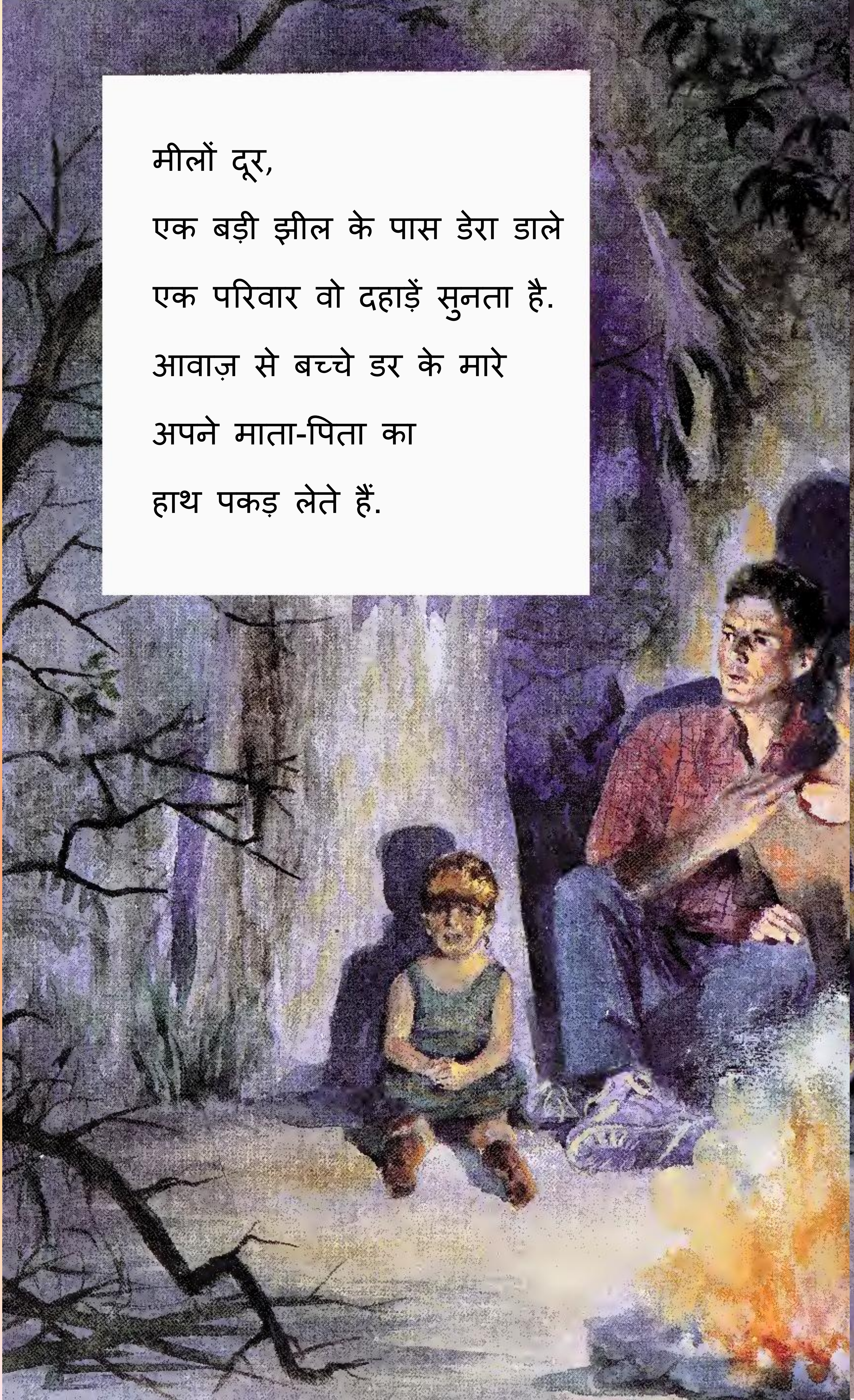

मीलों दूर,
एक बड़ी झील के पास डेरा डाले
एक परिवार वो दहाड़ें सुनता है.
आवाज़ से बच्चे डर के मारे
अपने माता-पिता का
हाथ पकड़ लेते हैं.

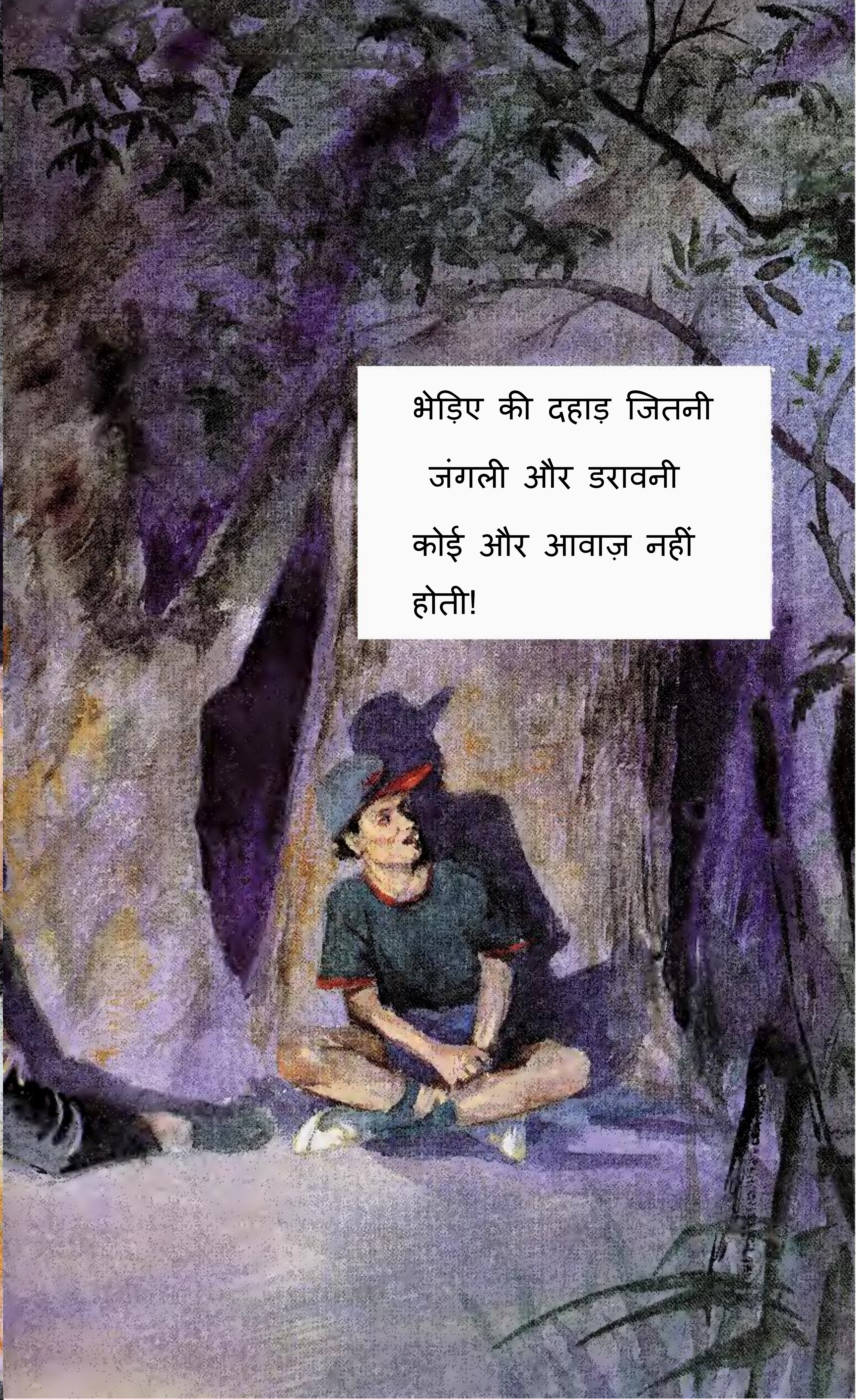

भेड़िए की दहाड़ जितनी
जंगली और डरावनी
कोई और आवाज़ नहीं
होती!

क्या भेड़िए हमला करने से
ठीक पहले दहाड़ते हैं?
नहीं!
भेड़ियों के लिए, दहाड़ना
एक दोस्ताना आवाज़ होती है.
भेड़िए दूसरे भेड़ियों को
यह बताने के लिए दहाड़ते हैं
कि वे कहाँ हैं.
वे शायद सिर्फ़ मनोरंजन करने
के लिए भी गरजते हों.

कभी-कभी एक पालतू कुत्ता
अपना सिर पीछे करके गरजता है.
उसकी आवाज़ भी बिल्कुल भेड़िए जैसी ही होती है!
ऐसा इसलिए होता है क्योंकि भेड़िए और कुत्ते
बहुत करीबी रिश्तेदार हैं.

बहुत पहले,

जब लोग गुफाओं में रहते थे,

तब कुछ भेड़िए

पास ही इंतज़ार करने लगे थे

उन मांस के टुकड़ों के लिए

जिन्हें लोग फेंक देते थे.

गुफा में रहने वाले बच्चे

भेड़ियों के बच्चों के साथ खेलते थे.

धीरे-धीरे, भेड़िए पालतू बन गए.

ये पालतू भेड़िए ही

पहले पालतू जानवर थे.

आज धरती पर हर कुत्ता –

छोटे पूडल से लेकर

बड़े सेंट बर्नार्ड तक –

उनसे जुड़ा है.

कुछ लोग अभी भी

भेड़ियों को पालतू बनाने की कोशिश करते हैं.

एस्किमो लोगों ने उन्हें

कुत्तों की स्लेज खींचना सिखाया है.

लेकिन भेड़िए घरेलू पालतू नहीं होते हैं.

खुश रहने के लिए,

उन्हें जंगली और आज़ाद ही होना चाहिए.

भेड़ियों के लंबे पैर

दौड़ने के लिए बने हैं—

वो एक दिन में 40 मील तक चलते हैं!

भेड़िए के विशाल पंजे

इंसान के बड़े के हाथ जितने बड़े हो सकते हैं.

उसके शक्तिशाली जबड़े

एक ही झटके में बड़े मूस के

टांग की हड्डी को तोड़ सकते हैं.

भेड़िए शिकारी होते हैं.

ज़िंदा रहने के लिए,

उन्हें बहुत सारा ताज़ा मांस

चाहिए होता है.

एक भूखा भेड़िया

एक बार के भोजन में

20 पाउंड मांस खा सकता है.

यह सौ हैमबर्गर खाने जैसा होगा!

इतना सारा मांस पाने के लिए,

भेड़िए आमतौर पर बड़े जानवरों

जैसे हिरण और मूस का शिकार करते हैं.

लेकिन एक भूखा भेड़िया

खरगोश या चूहे का पीछा

करके उसे भी खा सकता है,

यहाँ तक कि वह

मछली भी पकड़ सकता है!

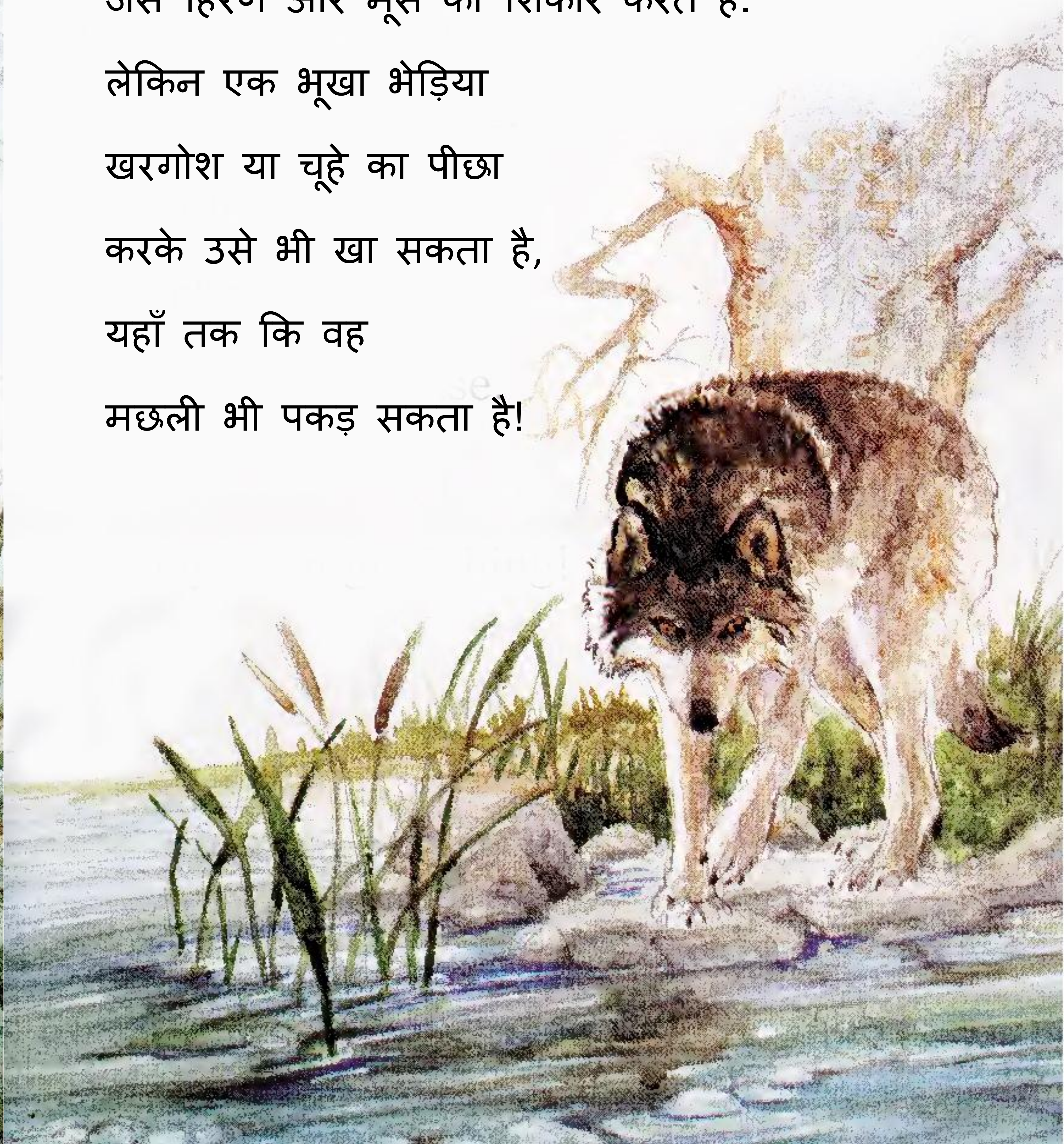

भेड़िए, समूहों में रहते हैं
जिन्हें झुंड कहा जाता है.
झुंड के सदस्य
अपने शरीर द्वारा
एक-दूसरे से "बात" करते हैं.
जब भेड़िया डरता है,
तो वह अपने कान
सिर के पास रखता है.
जब भेड़िया खुश होता है,
तो वह अपनी पूरी पूँछ
हिलाता है.
अगर वह सिर्फ़ पूँछ का
सिरा हिलाता है, तो उससे सावधान रहें!
तब वह हमला करने के लिए तैयार है!
दूसरे भेड़िए इन संकेतों को पहचान लेते हैं.
ये संकेत भेड़ियों को
बिना लड़े साथ रहने में मदद करते हैं.

हर झुंड में एक प्रमुख नर

और एक प्रमुख मादा होती है.

प्रमुख नर मज़बूत और चतुर होता है.

वह उस हरेक भी भेड़िए से लड़ेगा

जो उसके झुंड पर कब्ज़ा

करने की कोशिश करेगा.

प्रमुख मादा आमतौर पर

झुंड के शावकों की माँ होती है.

प्रमुख नर

अपने व्यवहार से

दिखाता है कि वही लीडर है.

वह दूसरे भेड़ियों की

आँखों में सीधे देखता है.

दूसरे भेड़िए अपनी पूँछ

अपने पैरों के बीच दबा लेते हैं.

वे नेता के साथ नाक रगड़ते हैं

और उसका चेहरा चाटते हैं.

वसंत ऋतु में
प्रमुख मादा
शिशुओं को जन्म देने के लिए
तैयार होती है.
वह किसी पहाड़ी के किनारे
एक मांद खोदती है.
दूसरे भेड़िए उसकी मदद करते हैं.

शिशुओं का जन्म
मई की शुरुआत में होता है.
उनकी आँखें बंद होती हैं.
वे देख या सुन नहीं सकते.
वे अपनी माँ का
दूध पीकर जीवित रहते हैं.

तीन हफ़्तों में
शिशु इतने बड़े हो जाते हैं
कि वे मांद से बाहर निकल सकें.
पहले तो वे डरते हैं.
लेकिन जल्द ही वे
पहाड़ी पर ऊपर-नीचे दौड़ते हैं,
और पकड़ा-पकड़ी खेलते हैं.

एक पिल्ले को एक टिड्डा दिखाई देता है.
वह झपटता है - फटाक!
लेकिन टिड्डा भाग जाता है.
शिशु काफी हैरान दिखता है.
वह फिर से कोशिश करता है.
और फिर दुबारा.
यह छोटे भेड़िए का
शिकार करने का पहला सबक है.

वयस्क भेड़िए
बारी-बारी से बच्चों की देखभाल करते हैं.
जबकि पिता
पिल्लों की रखवाली करता है,
तो बच्चे पिता की पूँछ खींचते हैं
और पिता के कान काटते हैं.
अगर वे बहुत ज़्यादा शरारत करते हैं,
तो फिर पिता वहां से उठकर चला जाता है.

पिल्ले इधर-उधर लोटते हैं,
लड़ने का नाटक करते हैं.
उनमें से एक अपने भाई-बहनों
से ज़्यादा ताकतवर है.
वह अपनी पूँछ ऊँची उठाए हुए है.
वह पहले से ही
एक बड़े भेड़िए की तरह
व्यवहार कर रहा है.

पिल्ले हर समय भूखे रहते हैं.

जब बड़े भेड़िए

शिकार पर जाते हैं,

तो वे अतिरिक्त भोजन को

चबाकर निगल जाते हैं.

माँद में वापस आकर,

वे चबाया हुआ भोजन

थूक देते हैं -

और उससे भूखे पिल्लों को

मांस खाने को मिलता है!

सितंबर तक पिल्ले

आधे बड़े हो जाते हैं.

वे चूहों का पीछा करते हुए घंटों बिताते हैं,

लेकिन वे एक भी चूहा पकड़ नहीं पाते हैं.

क्योंकि वे बहुत धीमे और अनाड़ी होते हैं.

लेकिन जल्द ही पिल्ले

झुंड के साथ शिकार करने लगते हैं.

छह महीने में

वे अच्छे शिकारी बन जाते हैं.

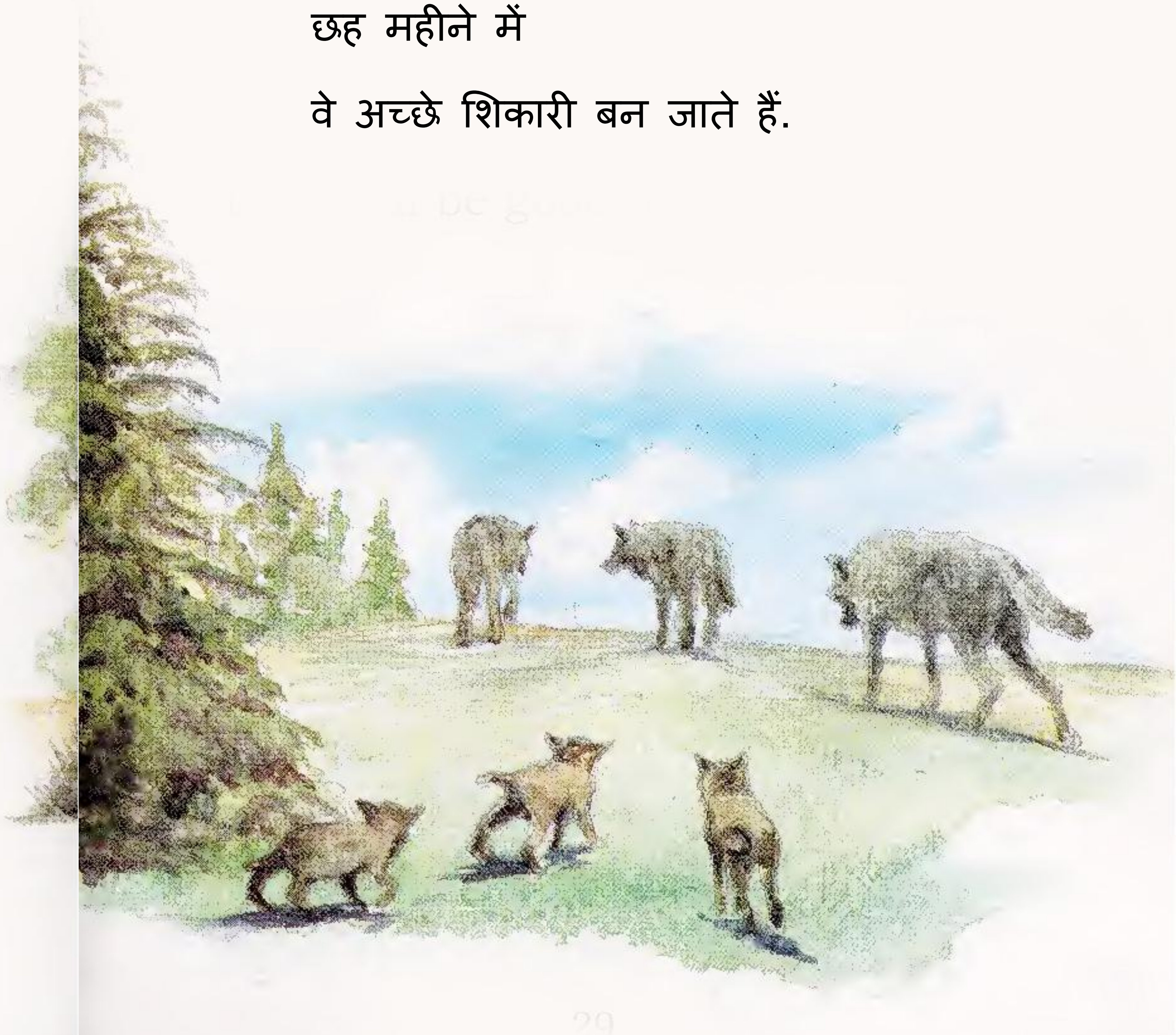

नवंबर की एक ठंडी सुबह
भेड़ियों को पास में
किसी मूस की गंध आती है.
उसके बाद भेड़ियों का झुंड
बर्फ पर एक कतार में
आगे बढ़ता है.

भेड़िए मूस के एक झुंड का पीछा करते हैं.
उनमें से ज़्यादातर भाग जाते हैं.
लेकिन वो बड़ा मूस
खड़ा रहता है और उनसे लड़ता है.
वह अपने शक्तिशाली खुरों से
लड़ाई करता है.

एक गुस्सैल मूस भेड़ियों को मार सकता है.
जल्द ही झुंड उसे अकेला छोड़ देता है.

अंत में, भेड़ियों को

एक बूढ़ा, बीमार मूस मिलता है.

वह दौड़ने या लड़ने के लिए बहुत कमज़ोर है.

भेड़ियों का झुंड एक गोले में फैल जाता है.

एक भेड़िया हमला करता है.

वह मूस की नाक काटता है

और उसे कसकर पकड़ लेता है.

कुछ ही मिनटों में लड़ाई खत्म हो जाती है.

भूखे भेड़िए मूस को खा जाते हैं.

अकेले शिकार करने वाला भेड़िया

कभी किसी बड़े जानवर को नहीं मार सकता है.

झुंड में शिकार करने से

सभी भेड़ियों को जीवित रहने में मदद मिलती है.

कई लोगों ने
कभी जीवित भेड़िया नहीं देखा है.
उन्हें भेड़िए केवल परियों की कहानियों
और डरावनी फिल्मों में ही मिले हैं.
परियों की कहानियों वाले भेड़िए
लालची और खतरनाक होते हैं.

सभी काल्पनिक भेड़ियों में
सबसे डरावना वेयरवोल्फ है.

दिन में वेयरवोल्फ
एक साधारण पुरुष या महिला होता है.
लेकिन रात में,
जब चाँद पूर्ण होता है,
वेयरवोल्फ के दाँत
लंबे और नुकीले हो जाते हैं.
उसके चेहरे पर बाल उग आते हैं.
वह चारों पैरों पर दौड़ता है -
बिल्कुल असली भेड़िए की तरह.

वेयरवोल्फ
चाँदनी जंगल में घूमता है
और जो भी मिलता है
उस पर हमला कर देता है!

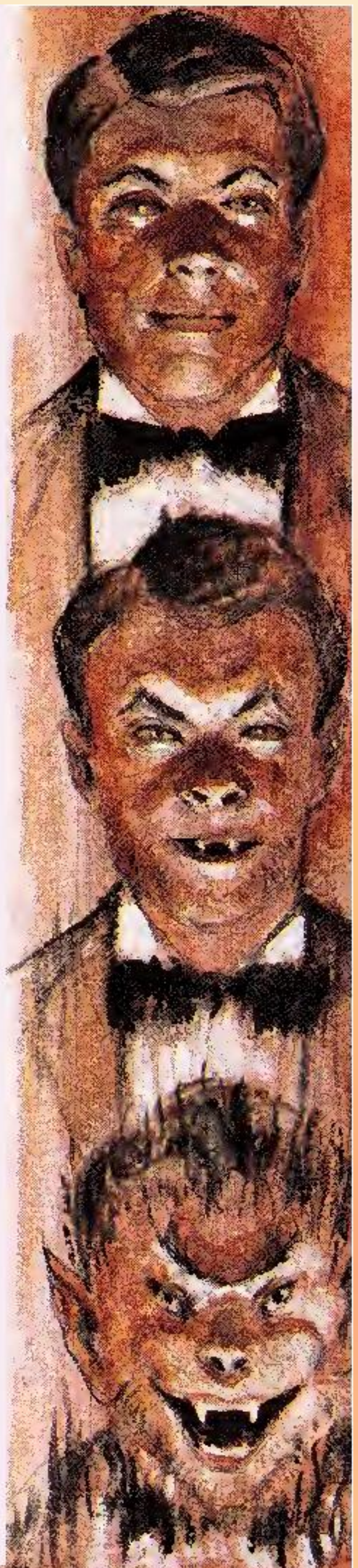

हत्यारे भेड़ियों के बारे में किंवदंतियों ने
कई लोगों को यह विश्वास दिलाया
कि भेड़िए उनके दुश्मन हैं.
लंबे समय तक शिकारी
उस हर भेड़िया
जो उन्हें मिलता था
को गोली मार देते थे.
.

वे भेड़ियों को
हवाई जहाज़ों से भी मारते थे.

आखिर में कुछ वैज्ञानिकों को
आश्चर्य होने लगा कि क्या भेड़िए
वाकई इतने खतरनाक होते हैं?
फिर वैज्ञानिक जंगलों में अंदर गए
उन्होंने भेड़िए कैसे रहते हैं
उसका अध्ययन किया.

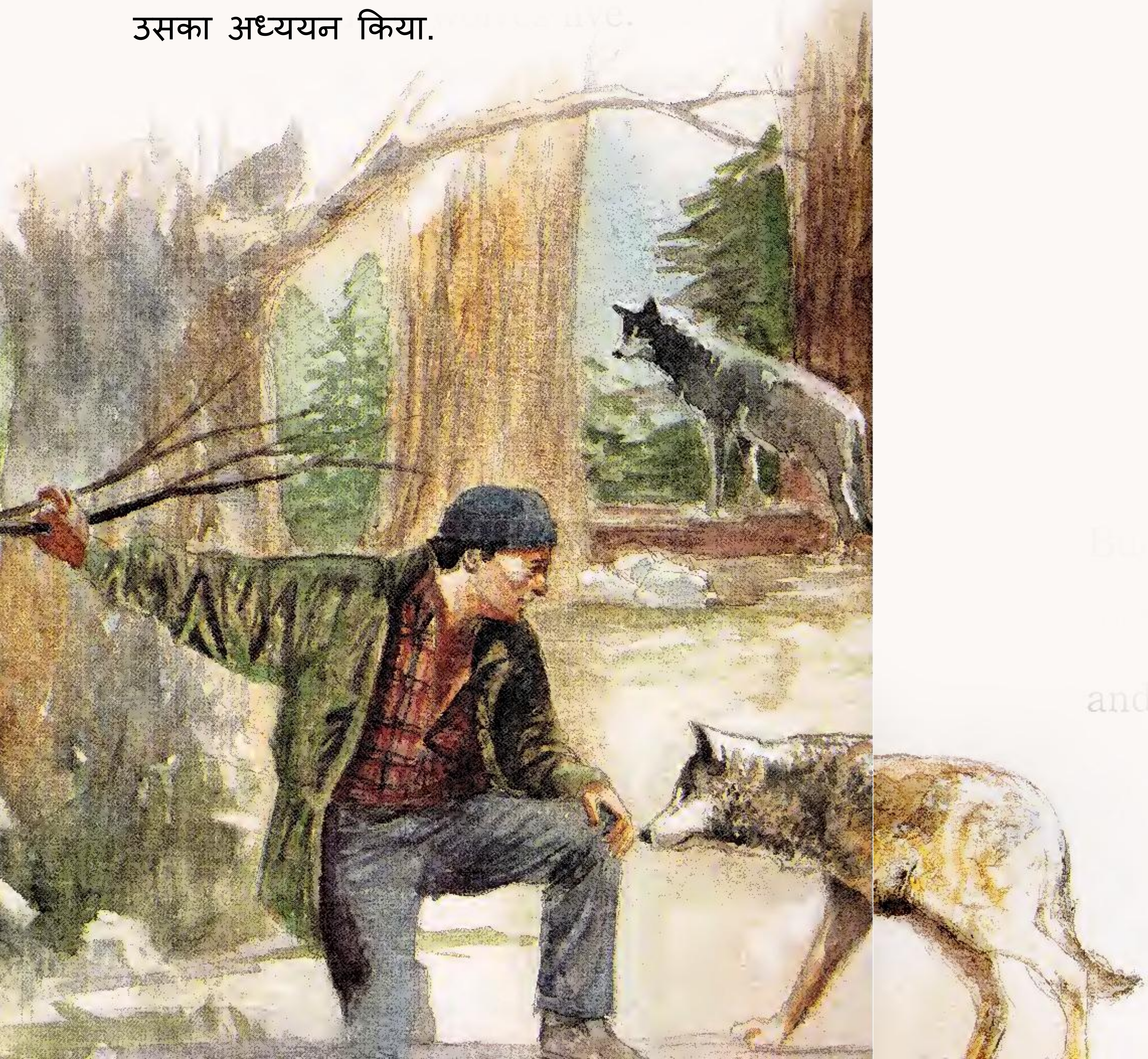

एक वैज्ञानिक
जंगल में टहल रहा था
अचानक उसकी मुलाकात
दो भेड़ियों से हुई.

एक भेड़िया भाग गया.
दूसरा भेड़िया
उसके पास आया.
वैज्ञानिक डर गया.
लेकिन भेड़िए ने
बस उसका हाथ चाटा
और वो वहां से भाग गया!

वैज्ञानिकों को पता चला

कि स्वस्थ भेड़िए

लोगों पर हमला नहीं करते.

लेकिन जब भेड़िए खेतों में भटकते हैं,

तो वे जल्द ही सीख जाते हैं

कि मेमना या बछड़ा

अच्छा भोजन होता है.

कुछ किसान भेड़ियों को

भगाने के लिए

विशेष कुत्तों का इस्तेमाल करते हैं.

कुछ भेड़ियों को ज़हर,

जाल या बंदूकों से मारते हैं.

अमेरिकी मूल-निवासी

भेड़ियों से नहीं डरते थे.

वे भेड़ियों के शांतिपूर्वक एक साथ

रहने के तरीके की प्रशंसा करते थे.

सिओक्स मूल-निवासिसी

उस महिला की कहानी सुनाते हैं

जो एक बर्फीले तूफ़ान में खो गई थी.

भेड़ियों के एक झुंड ने उसकी जान बचाई.

भेड़िए उसके लिए खाना लाए.

भेड़ियों ने उसे अपनी मांद में सोने दिया.

भेड़ियों ने महिला को अपने राज़ सिखाए.

जब वो महिला

अपने लोगों के पास वापिस पहुंची

तब उसने अपने लोगों को

भेड़ियों के राज़ सिखाए.

कुछ सैकड़ों साल पहले तक
भेड़िए दुनिया के हरेक भाग
में पाए जाते थे.
तब हज़ारों भेड़िए
उत्तरी अमरीका में रहते थे.

पर अब लोग बहुत ज़्यादा हैं
और भेड़िए बहुत कम.
अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में
चिड़ियाघरों को छोड़कर
अब कोई भेड़िया नहीं बचा है.

लाल और काले रंग वाले क्षेत्र दर्शाते हैं कि कभी भेड़िए कहाँ घूमते थे.
काले रंग वाले क्षेत्र दर्शाते हैं कि आज भेड़िए कहाँ पाए जा सकते हैं.

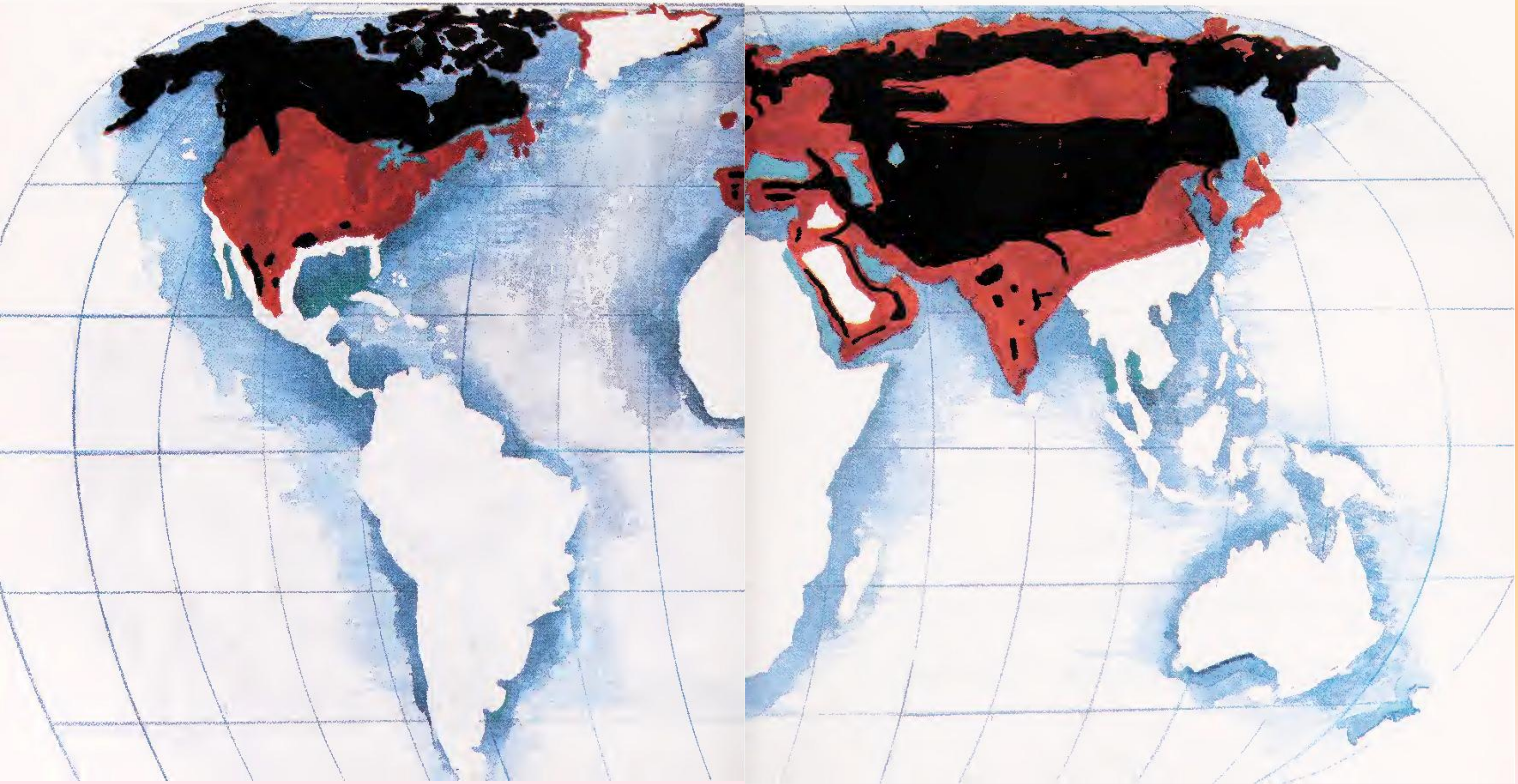

भेड़िए प्रदूषण नहीं फैलाते.
वे ज़मीन को नुकसान पहुँचाए
बिना ही रहते हैं.
भेड़ियों का झुंड जीवित रहने के लिए
शिकार करता है.
हमेशा मूस और हिरण बचे रहते हैं
वे अगले बसंत में अपने बच्चे पैदा करेंगे.

आज लोग भेड़ियों की तरह
प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने
की कोशिश कर रहे हैं.
वे पृथ्वी पर बचे हुए
कुछ जंगली स्थानों को
बचाना चाहते हैं.

अगर ऐसा हुआ, तो
आने वाले कई सालों में
जंगलों में आपको
जंगली भेड़िए
फिर से दहाड़ते हुए मिलेंगे.

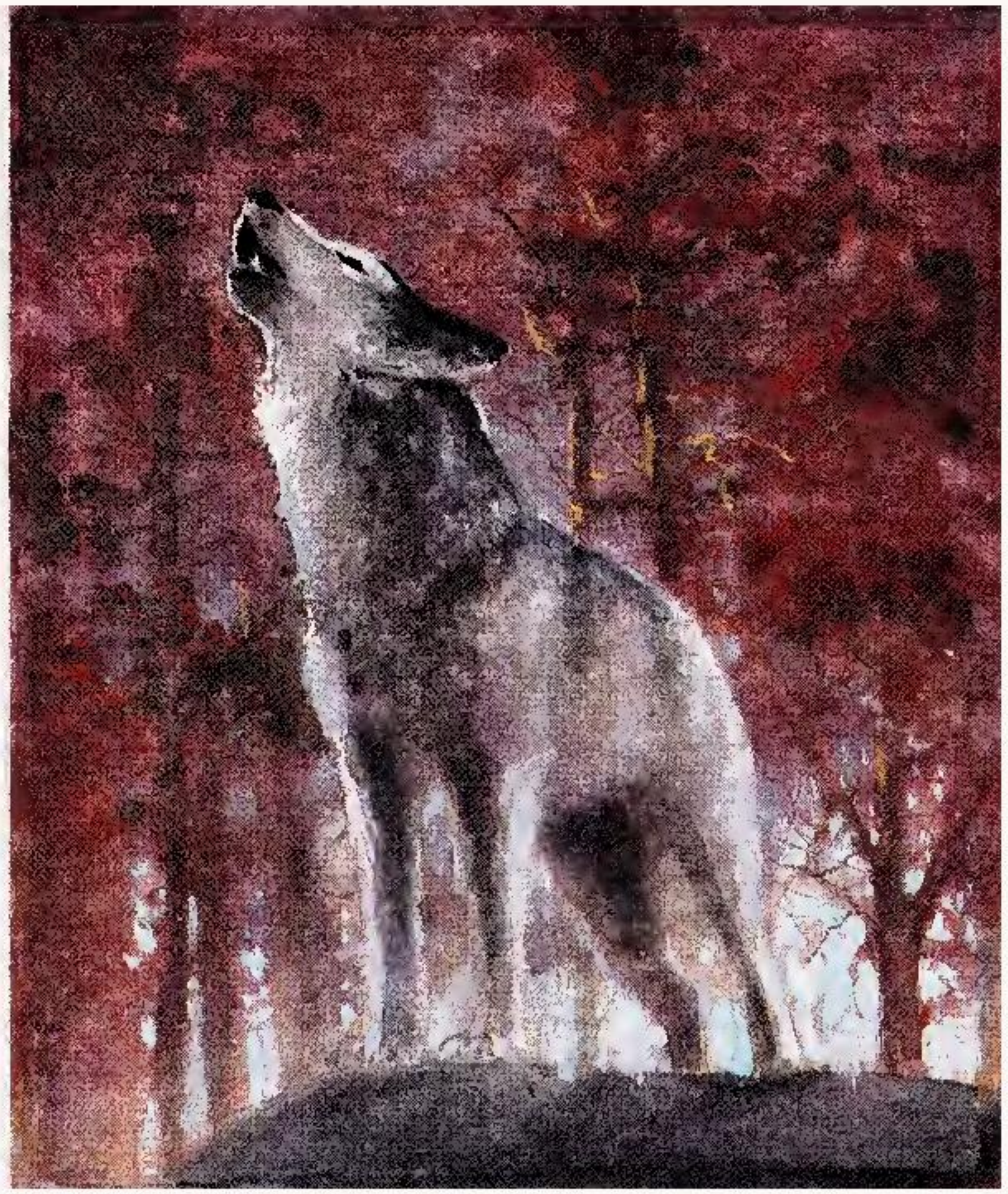

जंगली भेड़िए

क्या आप जानते हैं कि

जब एक भेड़िया अपनी पूँछ हिलाता है

तो असल में वो आप पर

हमला करने के लिए तैयार होता है?

या कि एक भेड़िए के पंजे

इंसान के हाथ जितने बड़े होते हैं?

या कि एक भेड़िया एक बार में

100 हैमबर्गर के बराबर

मांस खा सकता है?

भेड़ियों के बारे में सब कुछ जानें

इस रोमांचक, आसानी से पढ़ी

जा सकने वाली किताब में!